

रागिनी के साथ मेरी पहली चुदाई

“दोस्तो, मेरा नाम विवेक है, घटनाकाल की उम्र 18 से 21 वर्ष, लम्बाई 5.10 फिट, रंग गोरा, शरीर स्वस्थ, लंड की लम्बाई उस वक्त 4.5 इंच, हालाँकि अभी 6.5 इंच है, मोटाई 3 इंच। मैं अपने दूर के रिश्ते के चाचा के घर रहकर पढ़ाई करता था। घर में चाचा, चाची, चाची की माँ जिसे [...] ...”

Story By: (viveksdkp)

Posted: Thursday, May 10th, 2012

Categories: [पहली बार चुदाई](#)

Online version: [रागिनी के साथ मेरी पहली चुदाई](#)

रागिनी के साथ मेरी पहली चुदाई

दोस्तो, मेरा नाम विवेक है, घटनाकाल की उम्र 18 से 21 वर्ष, लम्बाई 5.10 फिट, रंग गोरा, शरीर स्वस्थ, लंड की लम्बाई उस वक्त 4.5 इंच, हालाँकि अभी 6.5 इंच है, मोटाई 3 इंच।

मैं अपने दूर के रिश्ते के चाचा के घर रहकर पढ़ाई करता था। घर में चाचा, चाची, चाची की माँ जिसे हम नानी कहते थे और चाची की बड़ी बहन की बेटी रागिनी साल रहते थे। चाचा प्रखण्ड कार्यालय में काम करते थे और उसी इलाके में अवस्थित डाक-बंगला जो बहुत बड़ा था, के पिछले हिस्से में रहते थे। पिछले हिस्से में तीन बड़े-बड़े कमरे थे।

रागिनी देखने में बहुत सुन्दर थी, खूब गोरी, बड़े-बड़े चुच्चे, बड़ी मस्त लगती थी। अब हम मुख्य कहानी पर आते हैं।

मैं, नानी और रागिनी एक ही कमरे में सोते थे। बड़ा हाल जैसा कमरा था जिसमें दो बड़ी-बड़ी चौकी को जोड़कर बिस्तर लगाया जाता था। बिस्तर पर एक तरफ मैं, बीच में नानी और दूसरे तरफ रागिनी सोती थी। चाचा-चाची दूसरे कमरे में सोते थे। नानी सुबह चार बजे ही जग जाती थी और बाहर निकल कर नित्यक्रिया में लग जाती थी।

एक दिन की बात है, जाड़े के दिन थे और हम लोग एक ही रजाई में सो रहे थे। नानी सुबह जगी और कमरे से निकल गई। ठंड के कारण या नींद की बेसुधी के कारण रागिनी खिसककर मेरी पीठ से चिपक गई। थोड़ी देर बाद जब मुझे उसके चिपकने का एहसास हुआ तो थोड़ा अजीब सा लगा। क्योंकि इससे पहले मैंने कभी भी सेक्स या लड़की के बारे में सोचा भी नहीं था। रागिनी को भी कभी दूसरी निगाह से नहीं देखा था।

अचानक उसने मुझे पीछे से जकड़ लिया, उसने अपने बड़े-बड़े चुच्चे मेरी पीठ पर रगड़ने

शुरू कर दिए। तब जाकर मैं समझा कि वो अनजाने में नहीं जानबूझ कर मुझसे चिपकी थी। लेकिन चूंकि यह मेरा पहला मौका था इसलिए मैं समझ नहीं पा रहा था कि क्या करना चाहिए और मैं यथावत पड़ा रहा।

फिर वो मेरे कपड़े के अंदर हाथ डालकर मेरी पीठ में चिकोटी काटने लगी। अब मुझे अपनी नींद खोलनी पड़ी। मैंने पलटकर पूछा- यह क्या कर रही है ?

तो उसने कुछ जवाब नहीं दिया, सिर्फ शरारत से मुस्कुराने लगी। मुझे कुछ अजीब सा लगा। मैंने फिर भी कुछ नहीं किया। मेरी तरफ से कोई पहल नहीं होते देख कर उसने मेरा हाथ पकड़ा और सीधा अपने वक्ष पर रखकर दबाने लगी। अब तो मैं भी हरकत में आ गया। मैं अपने दोनों हाथों से उसके दोनों स्तन को दबाने लगा, मुझे मजा आने लगा।

कुछ देर के बाद नानी कमरे में आ गई और हम लोग रुक गए। फिर हम लोगों को और कोई मौका नहीं मिला। लेकिन वो सारा दिन मुझे देख देख कर मुस्कुराती रही।

दूसरे दिन फिर सुबह में नानी के निकलने के बाद वो मुझसे चिपक गई। मैं तो नींद में ही था, लेकिन अर्धनिद्रा में !

उसने मेरे पाजामे के अंदर हाथ डाल दिया, अचानक मेरी नींद खुली। उसने मेरे लंड को पकड़ लिया और सहलाने लगी। धीरे-धीरे मेरे लंड में तनाव आने लगा। करीब दस मिनट तक वो सहलाती रही, इतने में ही जैसे मेरा लंड फटने लगा। मैं परेशान सा हो गया। तब रागिनी ने भी अपनी सलवार खोली और मेरे कड़क हो चुके लंड को अपनी बुर पर रगड़ने लगी।

रगड़ते-रगड़ते एकाएक मेरा लंड उसके बुर के दरार में फंस गया।

उसने उसी अवस्था में तुरत मुझे चित्त कर दिया और वो खुद मेरे ऊपर आ गई। लंड तो

पहले ही से उसकी बुर में फंसा हुआ था, जब उसके शरीर का भार पड़ा तो लंड धीरे-धीरे बुर के अंदर सरकने लगा। मैंने देखा उसके चेहरे पर पीड़ा के भाव थे।

मैं घबरा गया और उसके नीचे से खिसकने की कोशिश करने लगा। किन्तु उसने मुझे कसकर जकड़ लिया और अपने कमर का एक जोर का झटका लगाया। उसके मुँह से भी एक हौले से चीख निकल गई और मुझे भी अपने लंड में तेज दर्द का एहसास हुआ। लेकिन उसने मुझे अपने से अलग नहीं होने दिया। मेरा लंड जैसे उसके बुर में जड़ तक अंदर चला गया।

कुछ देर तक वो मुझे जकड़े रही फिर वो अपने कमर को ऊपर-नीचे करने लगी। मेरा लंड काफ़ी रगड़ खाकर अंदर-बाहर हो रहा था जिससे मुझे काफ़ी पीड़ा हो रही थी। पता नहीं रागिनी को पीड़ा हो रही थी या नहीं। दस पन्द्रह धक्के लगाने के बाद लगा जैसे मेरे लंड पर कुछ गर्म तरल चिकनाई सी आ गई हो, फिर वो थक गयी और वह निढाल होकर मेरे शरीर पर ही लेट गई।

करीब पांच मिनट के बाद वो मुझे जकड़े हुए ही पलट गई अर्थात् खुद नीचे हो गई और मुझे ऊपर कर दिया और कहने लगी- तुम कैसे मर्द हो जो सारी चुदाई मुझे ही करनी पड़ रही है, तुम भी तो कुछ करो।

और उसने मुझे इशारा किया।

अब मैं भी अपने कमर को ऊपर नीचे करने लगा। अब मेरा लंड आसानी से, चिकनेपन के एहसास के साथ अंदर-बाहर होने लगा। मुझे तो लगा जैसे मैं स्वर्ग में विचरण कर रहा हूँ। मेरे कुछ ही धक्कों के बाद रागिनी भी नीचे से अपना कमर उछालने लगी। सारा कमरा फच-फच की आवाज से गूँजने लगा। अब हम दोनों का ही दर्द आराम हो गया और भरपूर मजा आने लगा। उसके मुँह से सिसकारी जैसी आवाज- ओह... आह... जोर से... और जोर से... कस के... और ना जाने क्या-क्या बड़बड़ाती रही।

और मेरी पीठ पर उसके नाखून धंस से गए। किन्तु इससे मुझे पीड़ा की जगह सुकून सा मिला। मैं लगातार धक्के पर धक्के लगाता रहा है। करीब बीस-बाईस धक्कों के बाद मेरे लंड में कुछ हलचल सा एहसास हुआ और लगा जैसे कुछ बाहर निकलने वाला है। इसी समय रागिनी का शरीर भी अकड़ने लगा। पांच-सात धक्के मैंने और लगाये होंगे और अभी मैं कुछ समझ पाता इससे पहले ही जैसे मेरे लंड से पिचकारी सी छूटी और रुक-रुक कर कुछ तरल सा पदार्थ निकलने लगा।

रागिनी ने भी अपने बुर को इस तरह सिकोड़ लिया जैसे मेरे लंड को बाहर ही नहीं निकलने देगी।

जब मेरा लंड बिल्कुल निचुड़ गया तब मैं भी निढाल होकर रागिनी के शरीर पर लेट गया और रागिनी ने भी मुझे कस कर पकड़ लिया। कुछ देर के बाद मेरा लंड सिकुड़कर अपने आप बाहर निकल गया। तब मैंने देखा बिस्तर पर काफ़ी खून गिरा हुआ है।

रागिनी ने कहा- पहली बार जब सील टूटती है तो ऐसा ही होता है।

मेरे लंड का भी सुपारे के नीचे वाला धागा टूट चुका था और मुझे भी थोड़ा दर्द सा हो रहा था। पर इस दर्द से ज्यादा सुख जो मैंने अपने जीवन पहली बार पाया उसमें सब भूल गया।

तो दोस्तों कैसी लगी मेरी पहली चुदाई की कहानी !

हाँ, मैं आपको बता दूँ कि यह चुदाई कम थी और रागिनी के द्वारा मेरा दैहिक शोषण ज्यादा था।

पर मुझे इतना सुख मिला जिसे मैं कभी भूल नहीं सकता।

Other stories you may be interested in

एक कुंवारी एक कुंवारा-2

मेरी कहानी के पहले भाग एक कुंवारी एक कुंवारा-1 में अभी तक आपने पढ़ा कि मैं अपने स्कूल के दोस्त गौतम के घर पहली बार प्री-बोर्ड के एग्जाम की तैयारी के लिए गया। वहां उसके लंड को शर्ट्स में देखकर [...]

[Full Story >>>](#)

गर्लफ्रेंड के साथ मेरा पहला सेक्स-3

कहानी का पिछला भाग : गर्लफ्रेंड के साथ मेरा पहला सेक्स-2 जब उसने धीरे से अपने होंठ बढ़ाकर लण्ड के टोपे पर एक प्यारा सा चुम्बन जड़ दिया। मेरा सारा वजूद कांप गया। “इसे लॉलीपॉप की तरह चूसो!” बरबस मेरे होंठों [...]

[Full Story >>>](#)

गर्लफ्रेंड के साथ मेरा पहला सेक्स-2

कहानी का पहला भाग : गर्लफ्रेंड के साथ मेरा पहला सेक्स-1 मैंने अपना हाथ उसकी जींस के अंदर कर दिया और उसकी पैटी के ऊपर से ही उसकी चूत पर फिराने लगा। वह बुरी तरह सिसकारियां भर रही थी। उसकी पैटी [...]

[Full Story >>>](#)

चाची के घर में गर्लफ्रेंड के साथ सेक्स

दोस्तो, यह कहानी है मेरी गर्लफ्रेंड के साथ सेक्स की ... मेरा नाम राज है और मैं मन्दसौर सिटी का रहने वाला हूँ। मैं अन्तर्वासना का बड़ा प्रशंसक हूँ। मुझे सेक्स करना बहुत पसंद है। ये बात तब की है, [...]

[Full Story >>>](#)

गर्लफ्रेंड के साथ मेरा पहला सेक्स-1

दोस्तो, मेरा नाम सपन है। मैं दिल्ली में रहता हूँ और एक प्रा.लि. कम्पनी में काम करता हूँ। अन्तर्वासना में यह मेरी पहली सेक्सी कहानी है। यह कहानी मेरी पहली गर्लफ्रेंड की है। मेरी गर्लफ्रेंड का नाम नीतू है। वह [...]

[Full Story >>>](#)

